P.G.

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – I

CC - 101

हिंदी साहित्य का इतिहास - आदिकाल से भक्तिकाल तक

इकाई- १ :- हिंदी साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ ।

इकाई-२ :- हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल एवं भक्तिकाल का उद्भव और विकास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

इकाई-३ :- पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो, सिद्ध, नाथ, एवं जैन साहित्य का परिचय ।

इकाई-४ :- ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी निर्गुण भक्ति धारा एवं कृष्ण और राम सगुण भक्ति धारा की विशेषताएँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभरती प्रकाशन, इलाहबाद, उ.प्र. ।

२. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

३. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नई दिल्ली ।

४. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभरती प्रकाशन, इलाहबाद, उ.प्र. ।

55200

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – I

CC - 102

प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन काव्य

इकाई-१ :- पृथ्वीराज रासो - चंदबरदाई, सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(शशिव्रता समय, १-२५ पद)

विद्यापति पदावली - वसंत , डॉ.शिवप्रसाद सिंह ।

इकाई-२ :- कबीर - सं. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

(दोहे और पद, संख्या- १६० से १९०)

इकाई-३ :- जायसी ग्रंथावली - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

(नागमती वियोग खंड)

इकाई-४ :- सूरदास - भ्रमरगीत - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

(पद २१ से ४० तक)

संदर्भ ग्रंथ :

१ पृथ्वीराज रासो की भाषा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२ विद्यापती - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उ.प्र. ।

३ कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

४ जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, उ.प्र. ।

SK

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – I

CC - 103 SCS

भारतीय काव्यशास्त्र

काई- १ :- काव्यशास्त्र का इतिहास का परिचय, काव्य की परिभाषा एवं भेद, काव्य लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन ।

काई- २ :- रस सिद्धान्त - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकारण सिद्धान्त, रस के अंग और प्रमुख भेद ।

काई- ३ :- अलंकार सिद्धान्त- अलंकार की अवधारणा, मूलस्थापनाएँ, अलंकार और अलंकार्य ।

(प्रमुख अलंकारों का वर्गीकरण)

ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेद, शब्द-शक्तियाँ ।

काई- ४ :- वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणाएँ, मूल स्थापनाएँ, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति का महत्व ।

औचित्य सिद्धान्त: मूल स्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. रस मीमांसा- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, उ.प्र. ।

२. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

३. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।

४. ध्वनि संप्रदाय और उनके सिद्धान्त - भोलाशंकर व्यास, चौखाम्भा प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र. ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – I

CC - 104

भाषा विज्ञान

इकाई- १ :- भाषा विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग, प्रमुख अध्ययन की पद्धतियाँ, भाषा विज्ञान का अन्य शास्त्रों से संबंध ।

इकाई- २ :- ध्वनि विज्ञान: वागयंत्रों का परिचय, ध्वनियों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन ध्वनियाँ, स्वनिम, संस्वन, खण्ड्य एवं खंड्येत्तर ध्वनियाँ, अंतर्राष्ट्रीय ध्वनिलिपि । रूप विज्ञान: रूपिम की अवधारणा संरूप ।

इकाई- ३ :- अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अनेकार्थक, पर्यायवाची, विलोम शब्द, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ ।

इकाई- ४ :- प्राचीन आर्य भाषा, मध्यकालीन आर्य भाषा, आधुनिक आर्य भाषा ।

संदर्भ ग्रंथ:

१ भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, उ.प्र. ।

२ भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र. ।

हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायन तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद, उ.प्र. ।

४ भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – I

CC - 105

हिन्दी उपन्यास

इकाई - १ :- उपन्यास सिद्धान्त : परिभाषा एवं स्वरूप, उपन्यास के प्रकार ।

इकाई - 2 :- प्रेमचन्द - गोदान

इकाई - 3 :- फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आँचल

इकाई - 4 :- मन्नू भण्डारी : आपका बांटी

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

२. गोदान प्रेमचन्द - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

३. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

४. आपका बांटी - मन्नू भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – II

CC – 201

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख काव्यधाराएँ और उनकी काव्यगत विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ ।

इकाई - २ :- सन् १८५७ का स्वतन्त्रता संघर्ष और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, १९ वीं शताब्दी की प्रमुख हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ, भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ ।

इकाई - ३ :- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्याधरा ।

इकाई - ४ :- प्रमुख गद्य विधाओं का विकास - नाटक, उपन्यास, कहानी, आलोचना, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी और आत्मकथा । छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता के प्रमुख कवि और उनकी विशेषताएँ ।

संदर्भ ग्रंथ:

१. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, उ.प्र. ।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली ।

३. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीनागर वार्ष्णेय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, उ.प्र. ।

४. गद्य साहित्य: विकास और विन्यास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उ.प्र. ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – II

CC - 202

मध्यकालीन काव्य

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०

इकाई -_१ :- बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथ दास रत्नाकर, ३० दोहे (१ से ४० तक)

इकाई - २ :- घनानन्द कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, १५ पद (१ से १५ तक)

इकाई - ३ :- रहीम ग्रंथावली - ३० पद (१ से ३० तक)

इकाई - ४ :- रसखान ग्रंथावली - ३० पद (१ से २० तक), जगन्नाथ दास रत्नाकर - १५ पद (१ से १० तक

संदर्भ ग्रंथ:

१. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

२. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उ.प्र. ।

३. घनानन्द और स्वछंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, उ.प्र. ।

४. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, उ.प्र. ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – II

CC-203

पाश्चात्य काव्यशास्त्र पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय और स्वरूप, प्लेटो के काव्य संबंधी विचार, अरस्तू- अनुकरण, त्रासदी और विरेचन सिद्धान्त ।

इकाई - २ :- लोंगजाइनस - काव्य मेन उदात्त की अवधारणा,

वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज - कल्पना और फैंटेसी

मैथ्यु आर्नोल्ड के काव्य सिद्धान्त

इकाई - ३ :- क्रोचे - अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति और रामचन्द्र शुक्ल के विचार,

टी. एस.इलियट - परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीक

आई.एस.रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धान्त, संवेग सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त ।

इकाई - ४ :- आधुनिक समीक्षा की प्रमुख अवधारनाएं, मार्क्सवाद, शास्त्रीयतावाद और स्वछंदतवाद ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त, और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, इलाहाबा

३. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

४. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – II

CC-204

हिन्दी नाटक

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०

इकाई - १ :- हिन्दी नाटक : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रकार, नाट्यकला ।

इकाई - २ :- भारतेन्दु हरिश्चंद्र - अंधेर नागरी ।

इकाई - ३ :- जयशंकर प्रसाद - स्कंदगुप्त ।

इकाई - ४ :- मोहन राकेश - आधे अधूरे ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।

२. हिन्दी का नाट्यशास्त्र स्वरूप - डॉ. नवदेश्वर राय, हिन्दी ग्रंथ कुटीर, पटना, बिहार ।

३. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना - गिरिश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य एकादमी, चंडी

४. मोहन राकेश - आभा गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र. ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – II

CC-205

हिन्दी कहानी

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- हिन्दी कहानी : परिभाषा एवं स्वरूप, कहानी के प्रकार, कहानी काला ।

इकाई - २ :- उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

कानों में कंगना - राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह ।

इकाई - ३ :- कफन - प्रेमचंद

पाजेब - जैनेन्द्र कुमार ।

इकाई - ४ :- परिंदे - निर्मल वर्मा

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

अपना रास्ता लो बाबा - काशीनाथ सिंह ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद ।

२. २३ हिन्दी कहानियाँ - जैनेन्द्र कुमार, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली ।

३. प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र कुमार, राजपाल एवं संस, नयी दिल्ली ।

४. हिन्दी कहानी संग्रह - सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – III

CC-301

आधुनिक हिन्दी गद्य विधाएँ

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- निबंध : बालकृष्ण भट्ट - मन की दृढ़ता

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - कविता क्या है ?

प्रताप नारायण मिश्र - धोखा

इकाई - २ :- निबंध : हजारी प्रसाद द्विवेदी - कुटज

डॉ. नगेन्द्र - साहित्य में आत्माभिव्यक्ति

डॉ. विद्यानिवास मिश्र - अस्ति की पूकार हिमालय

इकाई - ३ :- रेखाचित्र : महादेवी वर्मा- ठकुरी बाबा

संस्मरण : अज्ञेय - वसंत का अग्रदूत

इकाई - ४ :- जीवनी : अमृतराय - कलम का सिपाही

आत्मकथा : बच्चन - क्या भूलूँ क्या याद करूँ

यात्रावृतांत : राहुल सांकृत्यायन - किन्नर देश की ओर

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी का गद्य पर्व - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन ।

३. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (मूल्यांकन और मूल्यांकन) - खगेन्द्र ठाकुर, नीलम प्रकाशन ।

४. हिन्दी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र. ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – III

CC-302

आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम

इकाई - १ :- मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग) DH

इकाई - २ :- जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता सर्ग)

इकाई - ३ :- निराला - राम की शक्ति पूजा

इकाई - ४ :- मुक्तिबोध - ब्रह्मराक्षस

अज्ञेय - असाध्यवीणा

संदर्भ ग्रंथ :-

साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

२ आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन ।

३. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा - प्रो. बीजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन ।

४. महाकाव्य से मुक्ति - रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SK

SEMESTER – III

CC-303

हिन्दी पत्रकारिता

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, पत्रकारिता - स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, प्रमुख पत्र (उदन्त मार्तण्ड, कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, हंस, मतवाला)

इकाई - २ :- समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन, समाचार लेखन काला, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक की संरचना, लीड़, एंट्री एवं शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, ब्लॉग राइटिंग ।

इकाई - ३ :- पृष्ठ सज्जा, साक्षातकार, पत्रकारवार्ता, प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता, फिचर लेखन : स्वरूप और उद्देश्य, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान ।

इकाई - ४ :- जनसंचार प्रद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न समाचार माध्यमों का स्वरूप, श्रव्य माध्यम । दृश्य-श्रव्य माध्यम, फिल्म, टेलीविज़न, वीडियो, टेली ड्रामा, डॉक्यु ड्रामा, संवाद लेखन ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. भारत मेन जनसंचार और प्रसारण मीडिया - मधुकर लेले, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

२. टेलीविज़न की भाषा - हरीश वर्णवाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

३. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।

४. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – III

CC-304

अनुसंधान पद्धति

पूर्ण अंक : १०

(अंत: सत्र २० + अंति

इकाई - १ :- अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ और प्रकार ।

इकाई - २ :- अनुसंधान के सोपान, विधियाँ और नैतिकता ।

इकाई - ३ :- शोध प्रबंध लेखन, इसकी विशेषताएँ एवं प्रारूप ।

इकाई - ४ :- पेपर, लेख, कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन एवं परिसंवाद ।

र्भ ग्रंथ :-

१ शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि - वैज्यनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

२ अनुसंधान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया - एम.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

३. हिन्दी के स्वीकृत शोध प्रबंध - कृष्णाचर्य, आर्यावर्त प्रकाशन गृह, कलकता ।

४ अनुसंधान का विवेचन - उयदयभानु, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

OEC

SEMESTER – III

CC-305

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- आदिकाल : आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्ति ।

इकाई - २ :- भक्तिकाल : निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा, निर्गुण प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा, सगुण कृष्ण भक्ति काव्यधारा, सगुण राम भक्ति काव्यधारा । DH

इकाई - ३ :- रीतिकाल : रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ ।

इकाई - ४ :- आधुनिक काल : भारतेन्दु काल, द्विवेदी काल, छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के प्रमुख कवि और काव्य-प्रवृत्तियाँ ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, मयूर पेपरबैक्स, नयी दिल्ली ।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

३. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

४. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SK

SEMESTER – IV

CC-401

हिन्दी आलोचना

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र

इकाई - १ :- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के प्रमुख समीक्षा सिद्धान्त - रस दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा ।

इकाई - २ :- मानवतावादी समीक्षक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, द्विवेदी की ऐतिहासिक दृष्टि (आदिकाल और भक्ति काल के विशेष संदर्भ में) ।

इकाई - ३ :- मार्क्सवादी समीक्षक रामविलास शर्मा, आलोचक रामविलास शर्मा के प्रमुख समीक्षात्मक प्रतिमान ।

डॉ. नामवर सिंह के आलोचनात्मक सिद्धान्त । (दूसरी परंपरा की खोज : विशेष संदर्भ में) ।

इकाई - ४ :- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, यथार्थवाद और अतियथार्थवाद । RK

संदर्भ ग्रंथ :-

१. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

२. हिन्दी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

३. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

४. दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

CC-402

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र

इकाई - १ :- मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा । कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पल्लवन और टिप्पणी ।

इकाई - २ :- पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, प्रारूपण एवं उसका महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, ज्ञान - विज्ञान के क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली ।

इकाई - ३ :- हिन्दी कम्प्यूटिंग, कंप्यूटर परिचय, रूपरेखा और उपयोग, वेब पब्लिशिंग, इन्टरनेट संपर्क, कम्प्यूटर उपकरणों का परिचय, लिंक ब्राउजिंग, ई-मेल, डाउन लडिंग, अपलोडिंग ।

इकाई - ४ :- पत्र लेखन : पत्रों के विभिन्न प्रकार और उसकी प्रासंगिकता ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

३. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उ.प्र. ।

४. भाषा आंदोलन - सेठ गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

CC-403

अनुवाद सिद्धान्त

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - 1 :- अनुवाद की परिभाषा, उनका क्षेत्र और सीमाएँ ।

अनुवाद - विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा ।

इकाई - २ :- अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धान्त, अनुवाद-प्रक्रिया और प्रविधि, विश्लेषण, अर्थग्रहण, स्रोत और लक्ष्यभाष की तुलना, अर्थांतरण की प्रक्रिया ।

इकाई - ३ :- अनुवाद के प्रमुख प्रकार ।

इकाई - ४ :- अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन-अनुवाद की समस्याएँ, तुलनात्मक और साहित्यिक अनुवाद, अनुवाद की प्रासंगिकता ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - प्रो. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

२. अनुवाद कला - डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

३. अनुवाद: सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाशचन्द भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

४. अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

DEC-404 (A)

तुलसीदास (क)

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र

इकाई - १ :- रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड)

इकाई - २ :- कवितवाली (केवल उत्तरकाण्ड, २९ छंद)

छंद सं. २९, ३५, ३७, ४४, ४५, ६०, ६७, ७३, ७४, ८४, ८८, ८९, १०२, १०३, ११९, १२२, १२६, १३२, १३४, १३६, १४०, १४१, १४६, १५३, १५५, १६१, १६५, १८२, २२९ ।

इकाई - ३ :- गीतावली (केवल बालकांड, २० पद)

छंद सं. ७, ८, ९, १०, १८, २४, २६, ३१, ३३, ३६, ४४, ७३, ९५, ९७, १०१, १०४, १०५, १०६, १०७, ११० ।

इकाई - ४ :- विनय पत्रिका (चुने हुये कुल ३५ पद)

छंद सं. १, ५, १७, ३०, ३६, ४१, ४५, ७२, ७८, ७९, ८५, ८९, ९०, ९४, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १११, ११३, ११४, ११५, १२१, १५९, १६०, १६४, १६५, १६६, १६७, १८२, २०१, २६९, २७२ ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१ गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी ।

२ रामकथा का विकास - कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद, प्रयाग ।

३. मानस की रूसी भूमिका (हिन्दी अनुवाद) - वारान्निकोव, विद्यामन्दिर, लखनऊ ।

४. तुलसीदास - ग्रियर्सन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

DEC-404 (B)

प्रेमचंद (ख)

पूर्ण अंक : १००

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०)

इकाई - १ :- उपन्यास : सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि ।

इकाई - २ :- नाटक : कर्बला

इकाई - ३ :- आलोचना : कुछ विचार - साहित्य का उदेश्य, उपन्यास, जीवन में साहित्य का स्थान और उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी ।

इकाई - ४ :- कहानियाँ : पाँच-परमेश्वर, शतरंज के खिलाड़ी, सवा सेर गेहूँ, बड़े घर की बेटी, मंत्र, दो बैलों की कथा, लॉटरी, बूढ़ी काकी, नमक का दरोगा, कफन, सुजान भगत ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

२. प्रेमचंद गंगा - प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

३. प्रेमचंद एक कला व्यक्तित्व - जैनेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

४. प्रेमचंद और गोकी - श्रीमधु, प्रगति प्रकाशन, मॉस्को ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus In P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

DEC-404 (C)

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता (ग) पूर्ण अंक : १००

Swatantrayottare Hindi Kavita

(अंत: सत्र २० + अंतिम सत्र ८०

इकाई - १ :- नागार्जुन : उनको प्रणाम, बहुत दिनों के बाद, पैने दाँतों वाली, अकाल और उसके बाद, मास्टर, हरिजन-गाथा ।

इकाई - २ :- केदारनाथ अग्रवाल :- यह धरती है उस किसान की, कभी नहीं जनता मारती है, जन्मभूमि पर यदि आयेगा डालर, आग लगे इस समाज में, एक हथौड़े वाला घर में और हुआ, धूप चमकती है चांदी की साड़ी पहने, आज नदी बिलकुल उदास थी, माझी न बजाओ बंशी ।

इकाई - ३ :- त्रिलोचन शास्त्री :- भाषा की लहरें, वही त्रिलोचन है, उस जनपद का कवि हूँ, प्यार, आज मैं अकेला हूँ, भोरई केवट के घर, बादलों में लग गयी है दिन की, अवतरिया ।

इकाई - ४ :- रघुवीर सहाय :- आत्महत्या के विरुद्ध, दो अर्थ का भय,हँसो-हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं, आप की हँसी, अतुकांत चन्द्रकान्त ।

सन्दर्भ ग्रंथ :-

नागार्जुन : पतिनिधि कविताएँ - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

त्रिलोचन शास्त्री : प्रतिनिधि कविताएँ - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

रघुवीर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

M.P.C. AUTONOMOUS COLLEGE, TAKHATPUR, BARIPADA

Syllabus in P.G. (Hindi)

SEMESTER – IV

CC-405

संगोष्ठी